सामान्य हिन्दी

Set - 6 : 2020
302 (ZM)

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 100*

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश : (i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों–खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है।
(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड-क

1. (क) 'भारत की एकता' के लेखक हैं : 1
(i) हरिशंकर परसाई (ii) वासुदेवशरण अग्रवाल
(iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी (iv) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) 'मेरे पिताजी' संस्मरण के लेखक हैं : 1
(i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी
(iii) हरिशंकर परसाई (iv) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम।

(ग) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखित 'साहित्य सहचर' किस विधा की रचना है? 1
(i) निबन्ध (ii) आलोचना
(iii) उपन्यास (iv) संस्मरण।

(घ) 'जैसे उनके दिन फिरे' निम्न में से किसका कहानी-संग्रह है? 1
(i) फणीश्वरनाथ 'रेणु' का (ii) जैनेन्द्रकुमार का
(iii) अमरकान्त का (iv) हरिशंकर परसाई का

(ङ) निम्न में से कौन प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी की रचना नहीं है? 1
(i) 'साहित्य और समाज' (ii) 'मेरे विचार'
(iii) 'भारत की एकता' (iv) 'वैचारिकी, शोध और बोध'

2. (क) निम्न में से कौन खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है? 1
(i) 'साकेत' (ii) 'प्रियप्रवास'
(iii) 'कामायनी' (iv) 'वैदेही वनवास'

(ख) निम्न में से कौन मैथिलीशरण गुप्त की रचना है? 1
(i) 'आँगन के पार द्वार' (ii) 'अनघ'
(iii) 'युगवाणी' (iv) 'परशुराम की प्रतीक्षा'

(ग) 'कामायनी' महाकाव्य में सर्गों की संख्या है : 1
(i) नौ (ii) बारह
(iii) पन्द्रह (iv) सत्रह

(घ) सुमित्रानन्दन पन्त को चिदम्बरा कृति पर कौन सा पुरस्कार मिला- 1
(i) साहित्य अकादमी (ii) भारत भारती
(iii) ज्ञानपीठ पुरस्कार। (iv) कोई नहीं।

(ङ) 'कितनी नावों में कितनी बार' काव्यसंग्रह के रचनाकार हैं : 1

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iii) महादेवी वर्मा

(iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'।

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

माता अपने सब पुत्रों को समान भाव से चाहती है। इसी प्रकार पृथ्वी पर बसनेवाले जन बराबर हैं। उनमें ऊँच और नीच का भाव नहीं है। जो मातृभूमि के उदय के साथ जुड़ा हुआ है वह समान अधिकार का भागी है। पृथिवी पर निवास करनेवाले जनों का विस्तार अनंत है–नगर और जनपद, पुर और गाँव, जंगल और पर्वत नाना प्रकार के जनों से भरे हुए हैं। ये जन अनेक प्रकार की भाषाएँ बोलनेवाले और अनेक धर्मों के माननेवाले हैं, फिर भी ये मातृभूमि के पुत्र हैं और इस कारण उनका सौहार्द भाव अखण्ड है। सभ्यता और रहन-सहन की दृष्टि से जन एक-दूसरे से आगे-पीछे हो सकते हैं किन्तु इस कारण से मातृभूमि के साथ उनका जो सम्बन्ध है उसमें कोई भेदभाव उत्पन्न नहीं हो सकता। पृथिवी के विशाल प्रांगण में सब जातियों के लिए समान क्षेत्र है। समन्वय के मार्ग से भरपूर प्रगति और उन्नति करने का सबको एक जैसा अधिकार है। किसी जन को पीछे छोड़कर राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। अतएव राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें लेनी होगी।

(i) माता अपने सब पुत्रों को किस भाव से चाहती है?

(ii) राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें क्यों लेनी होगी?

(iii) 'सौहार्द्र' और 'प्रांगण' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निन्दा भी होती है। लेकिन इसमें वह मजा नहीं जो मिशनरी भाव से निन्दा करने में आता है। इस प्रकार का निन्दक बड़ा दुःखी होता है। ईर्ष्या-द्वेष से चौबीसों घंटे जलता रहता है और निन्दा का जल छिड़ककर कुछ शान्ति अनुभव करता है। ऐसा निन्दक बड़ा दयनीय होता है। अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात श्वान जैसा भौकता है। ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निन्दा करनेवालों को कोई दण्ड देने की जरूरत नहीं है। वह बेचारा स्वयं दण्डित होता है। आप चैन से सोइए और वह जलन के कारण सो नहीं पाता। उसे और क्या दण्ड चाहिए? निरन्तर अच्छे काम करते जाने से उसका दण्ड भी सख्त होता जाता है। जैसे एक कवि ने एक अच्छी कविता लिखी, ईर्ष्याग्रस्त निन्दक को कष्ट होगा। अब अगर एक और अच्छी लिख दी तो उसका कष्ट दुगना हो जायेगा।

(i) मिशनरी भाव से निन्दा करने में क्या मिलता है?

(ii) ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निन्दक किस कारण सो नहीं पाता?

(iii) 'अक्षमता' और 'निरन्तर' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

"कहते आते थे यही अभी नरदेही,

'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही।'
अब कहें सभी यह हाय ! विरुद्ध विधाता,
'है पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता।'
बस मैंने इसका बाह्य-मात्र ही देखा,
दृढ़ हृदय न देखा, मृदुल गात्र ही देखा,
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा,
इस कारण ही तो हाय आज यह बाधा!
युग-युग तक चलती रहे कठोर कहानी –
'रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी।'
निज जन्म जन्म में सुने जीव यह मेरा –
'धिक्कार ! उसे था महा स्वार्थ ने घेरा।'

(i) युग-युग तक कौन-सी कठोर कहानी चलती रहेगी?
(ii) रानी कैकेयी को जन्म-जन्मान्तर क्या सुनना पड़ेगा?
(iii) 'नरदेही' तथा 'गात्र' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।
(v) कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए।

अथवा

वे रोगी होंगे प्रेम जिन्हें अनुभव-रस का कटु प्याला है–
वे मुर्दे होंगे प्रेम जिन्हें सम्मोहनकारी हाला है
मैंने विदग्ध हो जान लिया, अन्तिम रहस्य पहचान लिया –
मैंने आहुति बनकर देखा यह प्रेम यज्ञ की ज्वाला है !
मैं कहता हूँ मैं बढ़ता हूँ, मैं नभ की चोटी चढ़ता हूँ
कुचला जाकर भी धूली-सा आँधी-सा और उमड़ता हूँ
मेरा जीवन ललकार बने, असफलता ही असि-धार बने
इस निर्मम रण में पग-पग का रुकना ही मेरा वार बने !

(i) कवि किसे रोगी मानता है?
(ii) प्रेम जिनके लिए 'सम्मोहनकारी हाला' है, कवि उन्हें क्या मानता है?
(iii) 'हाला' तथा 'असि-धार' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।
(v) कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5
(i) डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी (ii) डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम
(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5
(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (ii) जयशंकर प्रसाद
(iii) महादेवी वर्मा।

6. 'पंचलाइट' ***अथवा*** 'लाटी' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'बहादुर' ***अथवा*** 'ध्रुव यात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. पठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक गान्धी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'साइमन कमीशन' के बहिष्कार की कथावस्तु लिखिए।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुःशासन' का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथावस्तु लिखिए।

(iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक गाँधीजी का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

'त्यागपथी' के पंचम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

खण्ड-ख

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+5=7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीम् किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशीं विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते।

अथवा

महामनस्विनः मदनमोहनमालवीयस्य जन्म प्रयागे प्रतिष्ठितपरिवारेऽभवत्। अस्य पिता पण्डितव्रजनाथमालवीयः संस्कृतस्य विद्वान् आसीत् अयं प्रयागे एव संस्कृतपाठशालायाम् राजकीय विद्यालये म्योरसेन्ट्रल महाविद्यालये च शिक्षां प्राप्य अत्रैव राजकीय विद्यालये अध्यापनम् आरब्धवान्। युवकः मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्णभाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत्। अतः अस्य सुहृदः तं प्राड्विवाकपदवीं प्राप्य देशस्य श्रेष्ठतरां सेवां कर्तुं प्रेरितवन्तः। तदनुसारं अयं विधिपरीक्षामुत्तीर्य प्रयागस्ये उच्चन्यायालये प्राड्विवाककर्म कर्तुमारभत।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+5=7

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः।।

अथवा

अये लाजानुच्चैः पथि वचनमाकर्ण्य गृहिणी
शिशौ कर्णौ यत्नात् सुपिहितवती दीनवदना।।
मयि क्षीणोपाये यदकृतं दृशावश्रुबहुले
तदन्तः शल्यं मे त्वमसि पुनरुद्धर्तुमुचितः।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1+1=2

(i) हाथ पीले करना। (ii) गागर में सागर भरना।
(iii) आम के आम गुठलियों के दाम। (iv) अन्धे की लकड़ी।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'साक्षरः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1
(अ) सा + क्षरः (ब) स + अक्षरः
(स) सा + आक्षरः (द) स + आक्षरः।

(ii) 'रमेशः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1
(अ) रमा + ईशः (ब) रम + ईशः
(स) रमा + एषः (द) रम + एषः।

(iii) 'अत्याचारः' का सही सन्धि-विच्छेद है : 1
(अ) अति + अचारः (ब) अत्य + आचारः
(स) अति + आचारः (द) अत्या + आचारः।

(ख) निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही का चयन कीजिए :

(i) 'जगति' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1
(अ) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन (ब) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन
(स) पञ्चमी विभक्ति, बहुवचन (द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन।

(ii) 'राज्ञाम्' शब्द में विभक्ति और वचन है : 1
(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन (ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन
(स) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन (द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन।

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) पुरुष-परुष – 1
(अ) कठोर और आदमी (ब) आदमी और कठोर
(स) आदमी और पत्थर (द) आदमी और बादल।

(ii) जलद-जलधि – 1
(अ) बादल और पानी (ब) समुद्र और जल
(स) बादल और वर्षा (द) बादल और समुद्र।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1+1=2

(i) विधि (ii) मित्र
(iii) गुण

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए : 1

(i) किये गये उपकार को न माननेवाला –

(अ) कृतघ्न (ब) कृतज्ञ

(स) अकृतघ्न (द) अकर्त्ता।

(ii) जो सब कुछ जानता हो – 1

(अ) बहुज्ञ (ब) ज्ञानी

(स) सर्वज्ञ (द) अल्पज्ञ।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं।

(ii) आप प्रातःकाल के समय आइएगा।

(iii) गौतम की पत्नी का नाम अहिल्या था।

(iv) तुलसीदास पक्के ईश्वर के भक्त थे।

12. (क) 'करुण' रस ***अथवा*** 'वीर' रस की उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए। 1 + 1 = 2

(ख) 'श्लेष' अलंकार ***अथवा*** 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द ***अथवा*** 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2

13. लिपिक पद पर अपनी नियुक्ति के लिए किसी इण्टरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य को एक आवेदन-पत्र लिखिए। 6

अथवा

अपने मुहल्ले की साफ-सफाई के लिए, अपने 'नगर-पंचायत' अध्यक्ष को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(i) दहेज-उन्मूलन : एक सामाजिक समस्या

(ii) कृषक-जीवन की त्रासदी

(iii) अनियंत्रित भ्रष्टाचार : कारण और निवारण

(iv) कथासम्राट मुंशी प्रेमचन्द

(v) आधुनिक शिक्षाप्रणाली के गुण-दोष।